

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर दौसा

पीठासीन अधिकारी : लोकेश कुमार मीना, आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या : 40/2019 राजस्व अपील

1. हरिसिंह पुत्र श्री घासी जाति गुर्जर निवासी ग्राम गांवडी तहसील सिकराय उप तहसील सिकन्दरा जिला दौसा।

अपीलान्त

बनाम

1. राज. सरकार जरिये नायब तहसीलदार सिकन्दरा तहसील सिकराय जिला दौसा।

रेस्पोडेन्ट

- अपील विरुद्ध निर्णय नायब तहसीलदार सिकन्दरा निर्णय दिनांक 8.2.2019 प्रकरण
उनवानी सरकार बनाम हरिसिंह प्रकरण सं. 120/2019 अ.धारा 91 राज. लै. रे. एक्ट

उपस्थिति : श्री विश्राम गुर्जर, अधिवक्ता अपीलान्त उपस्थित।
: राजकीय अधिवक्ता उपस्थित।

—: निर्णय :-


दिनांक: 30.08.2019

संक्षिप्त में अपील के तथ्य इस प्रकार से हैं कि पटवारी हल्का मरियाडा द्वारा अपीलान्त के विरुद्ध अधीनस्थ न्यायालय में एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि अपीलान्त हरिसिंह पुत्र श्री घासी जाति गुर्जर निवासी ग्राम गांवडी तहसील सिकराय ने संवत् 2075 में ग्राम गांवडी में स्थित आराजी भूमि खसरा नं. 88 रकबा 0.50 है। भूमि पर रबी की फसल काशत कर अतिक्रमण कर रखा है। उक्त रिपोर्ट के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्त अतिक्रमी के विरुद्ध भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्त अतिक्रमी को अतिक्रमित आराजी से दिनांक 08.02.2019 को बेदखल कर 50 गुणा शास्ति कायम करने के साथ ही 30 दिन के सिविल कारावास की सजा से भी दण्डित कर दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय के उक्त आदेश दिनांक 08.02.2019 से व्यथित होकर अपीलान्त द्वारा यह अपील पेश की गई है।

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर कर तलबी रेस्पोडेन्ट की गई व अधीनस्थ न्यायालय का मूल अभिलेख तलब कर बहस अधिवक्ता उभयपक्ष सुनी गई।

बहस के दौरान अधिवक्ता अपीलान्त ने अपील के तथ्य दोहराते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय का प्रश्नगत निर्णय विधि विरुद्ध एवं प्रक्रिया नियमों के विपरीत होने के कारण निरस्तनीय है। अपीलान्त को सुनवाई व सबूत का अवसर दिये बिना ही अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय पारित कर दिया। अपीलान्त के पश्चातवर्ती अतिक्रमी होने से संबंधित कोई दस्तावेजात पत्रावली में उपलब्ध नहीं है। अधिवक्ता अपीलान्त द्वारा प्रश्नगत भूमि खसरा नं. 88 रकबा 0.50 है। पर से कब्जा हटा लिया जाना एवं भविष्य में उक्त भूमि पर कब्जा नहीं करने बाबत शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुए




प्रति जिला कलेक्टर
दौसा



निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय के आदेश दिनांक 08.02.2019 में से 30 दिन का सिविल कारावास की सजा के दण्ड को निरस्त करने के आदेश फरमावे।

जवाब बहस के दौरान राजकीय अधिवक्ता ने निवेदन किया कि अपीलान्त नें संवत् 2075 में ग्राम गावडी में स्थित आराजी भूमि खसरा नं०. 88 रकबा 0.50 है. किस्म चरागाह पर गेहूं की फसल काशत कर अतिक्रमण करने पर अपीलान्त अतिक्रमी के विरुद्ध भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्त अतिक्रमी को अतिक्रमित आराजी से दिनांक 08.02.2019 को बेदखल करने एवं 30 दिवस के सिविल कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। अपीलान्त पश्चातवर्ती अतिक्रमी है।

हमने बहस अधिवक्ता उभयपक्ष पर मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली में प्राप्त अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से यह तथ्य प्रमाणित है कि पटवारी हल्का की रिपोर्ट के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्त के विरुद्ध भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर उक्त प्रश्नगत निर्णय पारित किया गया है। अधिवक्ता अपीलान्त द्वारा अपीलान्त की ओर से प्रस्तुत शपथ पत्र का अवलोकन करने पर अपीलान्त द्वारा प्रश्नगत भूमि खसरा नं. 88 रकबा 0.50 है. पर से कब्जा हटा लिया जाना एवं भविष्य में उक्त भूमि पर कब्जा नहीं करने बाबत शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः अपील अपीलान्त आंशिक रूप से स्वीकार किया जाना हम उचित समझते हैं।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलान्त इस शर्त पर आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है कि अपीलान्त द्वारा प्रश्नगत भूमि पर से अतिक्रमण हटा लिया जाने बाबत प्रस्तुत शपथ पत्र नायब तहसीलदार सिकन्दरा द्वारा सत्यापित किया जाने पर, अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय दिनांक 08.02.2019 में से सिविल कारावास की सजा स्थगित की जाकर शेष आदेश यथावत रखा जाता है। अन्यथा सिविल कारावास सहित अधीनस्थ न्यायालय का उक्त आदेश यथावत प्रभावी रहेगा। निर्णय की प्रति एवं अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत मूल शपथ पत्र सहित अधीनस्थ न्यायालय की मूल पत्रावली लौटाई जावे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर प्रविष्ट लेख भण्डार हो।

(लोकेश कुमार मीना)
आति० जिला कलक्टर, दौसा



निर्णय आज दिनांक 30.08.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय की मुद्रा से खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(लोकेश कुमार मीना)
आति० जिला कलक्टर, दौसा